सत्रीय कार्य

अनुवाद विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

पाठ्यक्रम : पी.जी.डी.टी

सत्र- जनवरी 2022

ज्ञान शान्ति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय

निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय

पोस्ट:- महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय,गांधी हिल्स,वर्धा (महाराष्ट्र) 442001

फोन/फैक्स:- 07152-247146 वेबसाइट :**www.hindivishwa.org**

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित)

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(Established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

MOB. 09325469246

ई-मेल-dranwarsiddiqui@gmail.com

डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी

सहायक प्रोफेसर

पी.जी.डी.टी. सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य करने के दिशा निर्देश

प्रिय विद्यार्थी,

आपको प्रत्येक पत्र के लिए सत्रीय कार्य करना हैं। आपको प्रत्येक प्रश्न का उत्तर भेजी गई अध्ययन सामग्री के आधार पर ही देना है। कहीं-कहीं आपको अतिरिक्त पाठ्यसामग्री की सहायता लेनी पड़ सकती है। आप चाहें तो कार्यक्रम संयोजक की मदद पत्राचार, ई-मेल, दूरभाष माध्यम से ले सकते हैं।

सत्रीय कार्य शुरू करने से पूर्व आप निम्नलिखित बातों का ध्यान रखिए। यह आपके लिए उपयोगी होगा

1. योजना : सत्रीय कार्यो को ध्यानपूर्वक पढ़िए। इनसे सम्बद्ध इकाईयों का दोबारा अध्ययन कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए प्रमुख मुद्दों को एक कागज पर नोट कीजिए। उसके बाद उन्हें क्रम दीजिए।
2. संगठन : अपने उत्तर की मोटी रूपरेखा बनाने से पहले अपना ध्यान कुछ मुद्दों पर केंद्रित कीजिए। और उनका विश्लेषण कीजिए। प्रस्तावना और सारांश पर विशेष ध्यान दीजिए।

क. तर्क संगत और प्रवाहपूर्ण हो,

ख. वाक्यों और अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध हो,

ग. आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति सटीक हो।

3. प्रस्तुति : अपने उत्तर से संतुष्ट होने पर इसका अंतिम प्रारूप तैयार कीजिए। उत्तर साफ-साफ A-4 कागज पर लिखिए और जिन मुद्दो पर बल देना चाहते है उन्हें रेखांकित कीजिए। **सत्रीय कार्य की एक छायाप्रति अपने पास अनिवार्य रूप से रखें।**

शुभकामनाओं के साथ,

(डॉ.अनवर अहमद सिद्दीकी)

सत्रीय कार्य निर्धारित पता पर प्राप्ति की **अंतिम तिथि – 16 जनवरी, 2023** तक अवश्य भेज दें। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त सत्रीय कार्य किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जायेगा।

पता

निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय

पोस्ट:- महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय,गांधी हिल्स, वर्धा (महाराष्ट्र) 442001

फोन/फैक्स:- 07152-247146 वेबसाइट :**www.hindivishwa.org**

निर्देश : प्रिय विद्यार्थी, सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए।

1. अपनी उत्तर-पुस्तिका के पहले पृष्ठ के दाहिने सिरे पर नामांकन संख्या, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।
2. अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के प्रथम पृष्ठ के मध्य भाग में पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या अवश्य दीजिए।

उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा।

नामांकन संख्या : -------------------------------------

नाम : ---

पता : ---

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : ---------------------------

सत्रीय कार्य कोड : --------------------------------

दिनांक : --

1. उत्तर के लिए केवल **A-4** साइज के आकार के कागज़ का इस्तेमाल करें और उन कागज़ों को अच्छी तरह से बांध लें।
2. प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।
3. अपनी लिखावट में उत्तर दें।
4. सत्रीय कार्य की उत्तर-पुस्तिका जॉच के लिए **संबंधित अध्ययन केन्द्रों** पर या **निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय, पोस्ट:- महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, पिन- 442001** के पास **दिनांक 16 जनवरी, 2023** तक अवश्य भेज दें।

पाठ्यक्रम का नाम – अनुवाद विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

प्रथम सेमेस्टर

प्रश्नपत्र1- (पाठ्यचर्या -1)

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखिए। निम्नलिखित प्रश्नपत्रों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्रश्नपत्र -1 (पाठ्यचर्या -1)
अनुवाद सिद्धांत और प्रविधि

1) **अनुवाद की संकल्पना को स्पष्ट करते हुए उसकी उपयोगिता को विशद कीजिए.**
2) **आधुनिक युग में अनुवाद की महत्ता को सविस्तार स्पष्ट कीजिए.**
3) **अनुवाद के दौरान उत्पन्न होने वाली समस्याओं को विवेचित कीजिए.**
4) **अनुवाद का उद्देश्य स्पष्ट करते हुये अनुवाद की आवश्यकता निरुपित कीजिए.**
5) **अनुवादक में अनुवाद करते समय कौन से गुण होना अपेक्षित हैं? सविस्तार चर्चा कीजिए.**

प्रश्नपत्र 2. (पाठ्यचर्या -2)

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखिए। निम्नलिखित प्रश्नपत्रों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

अनुवाद का भाषिक और सामाजिक पक्ष

प्रश्नपत्र – 2
अनुवाद का भाषिक और सामाजिक पक्ष

1. **भाषा का आशय स्पष्ट करते हुए भाषा सबंधी विभिन्न विद्वानों के अभिमतों की चर्चा कीजिए.**
2. **शब्द निर्माण से क्या तात्पर्य है? शब्द रचना संबंधी विस्तार से चर्चा कीजिए.**
3. **भाषा शिक्षण में अनुवाद कि आवश्यकता पर प्रकाश डालिए|**
4. **दूर शिक्षा में अनुवाद की उपयोगिता को रेखांकित कीजिए.**
5. **अनुवाद के सामाजिक संदर्भ पर सारगर्भित चर्चा कीजिए.**

द्वितीय सेमेस्टर

पाठ्यचर्या – 1

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखिए। निम्नलिखित प्रश्नपत्रों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्रशासनिक अनुवाद

1. भाषा प्रयुक्ति कि अवधारणा स्पष्ट करते हुए भाषा प्रयुक्ति के विविध पक्षों कि चर्चा किजिए|

2. प्रशासनिक कार्य में हिंदी के प्रयोग और अनुवाद कि भूमिका को स्पष्ट किजिए|

3. बैंकिंग के क्षेत्र में अनुवाद की भूमिका पर प्रकाश डालिए.

4. टिप्पणी से क्या आशय है? टिप्पणी के प्रकारों की विवेचना कीजिए.

5 प्रशासनिक क्षेत्र में अनुवाद करते समय आने वाली कठिनाइयों की चर्चा कीजिए

पाठ्यचर्या – 2

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखिए। निम्नलिखित प्रश्नपत्रों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

व्यावहारिक अनुवाद के विविध स्तर और क्षेत्र

1. संज्ञा पदबंध किसे कहते है? संज्ञा पदबंध पर विस्तृत चर्चा करे ?

2. सारानुवाद का तात्पर्य स्पष्ट करते हुए सारानुवाद के विविध पहलुओं की विवेचना कीजिए.

3. आशु अनुवाद से क्या आशय है? आशु अनुवाद के महत्त्व और विधि की विवेचना कीजिए.

4. पर्याय चयन का तात्पर्य स्पष्ट करते हुये अनुवाद के क्षेत्र में पर्याय चयन की प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए.

5. क्रिया का अर्थ स्पष्ट करते हुये क्रिया की प्रकृति और कार्यों की मीमांसा कीजिए.

***